

祝愿伟大的师尊新年快乐

鸿雁

幼年哪知从来事，家国只应在梦中。
一朝入道修大法，方知本源系苍穹。
丹心立约闯三界，助师正法入迷蒙。
几经欲海险得度，业阻迷渊与谁通。
若非师恩洪如宇，此身尘土今几重？
一腔感激难多话，人神同颂救世功。

祝愿伟大的师尊新年快乐

1=C $\frac{2}{4}$
♩=100

作词:鸿雁
作曲:归真

6 5 3 | 6 5 3 | 5·6 1̇ 7 | 6 - | 3 6 5 | 3 1̇ 3 |
幼 年 哪 知 从 来 事, 家 国 只 应

6 6 5 | 6 - | 1̇·6 1̇ 2 | 3 5 3 | 1̇·2 3 5 | 6 - |
在 梦 中。 一 朝 入 道 修 大 法,

2·3 5 | 3 2 1 6 | 5·6 2 1 | 6 - | 5 3 2 | 1̇·2 3 5 |
方 知 本 源 系 苍 穹。 丹 心 立 约

2·1 6 5 | 6 - | 3·2 3 5 | 6·1̇ 1̇ 6 5 | 3·2 3 5 | 6 - |
闯 三 界, 助 师 正 法 入 迷 蒙。

5 5 6 | 1̇·6 5 3 | 2·1 6 1 | 5 - | 6 5 3 | 2·1 6 1 |
几 经 欲 海 险 得 度, 业 阻 迷 渊

6·1 2 3 | 1 - | 3 3 1 | 2·3 5 | 3 2 1 | 6 - |
与 谁 通。 若 非 师 恩 洪 如 字,

6 3 6 | 1 1 3 | 2·1 6 5 | 6 - | 5 3 2 1 2 | 3·6 6 3 |
此 身 尘 土 今 几 重? 一 腔 感 激 难 多

6 - | 5 5 6 3 2 | 1̇·2 2 5 | 6 - :||
话, 人 神 同 颂 救 世 功。